[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper	:	**8580**	**GC-4**
Unique Paper Code	:	62051203	
Name of the Paper	:	Hindi – B	
Name of the Course	:	**B.A. (Prog.) CBCS**	
Semester	:	II	

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. किन्हीं तीन अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) सात समंद की मसि करौ, लेखनि सब बनराइ।

धरती सब कागद करौ, तऊ हरि गुण लिख्या न जाइ।

अथवा

सटपटाति सी ससिमुखी, मुख घूंघट पट ढांकि।

P.T.O.

पावक झर सी झमकि कै, गई झरोखा झांकि। (10)

(ख) कृपासिंधु बोले मुसुकाई, सोइ करू जेहिं तव नाव न जाई।

बेगि आनु जल पाय पखारू, होत बिलंबु उतारहि पारू।

अथवा

इंद्र जिमि जम्भ पर बाड़व सुंअभ पर, रावण सदम्भ पर रघुकुल राज हैं।

पौन बारिबाह पर संभु रतिनाह पर, ज्यौं सहस्रबाहु पर राम द्विजराज हैं।

दावा द्रुमदंड पर चीता मृग झुंड पर, भूषन बितुंड पर जैसे मृगराज हैं

तेज तम अंस पर कान्ह जिमि कंस पर, यों मलेच्छ-बंस पर सेर सिवराज हैं।

(10)

(ग) मेरा मंदिर, मेरी मस्जिद

काबा-काशी यह मेरी।

पूजा-पाठ, ध्यान-जप-तप है

घट-घट वासी यह मेरी।

अथवा

नव गति, नव लय, ताल-छंद नव

नवल कंठ, नव जलद-मंदर रव;

नव नभ के नव विहाग-वृन्द को

नव पर, नव स्वर दे! (10)

(ख) सुभद्रा कुमारी चौहान अथवा सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का साहित्यिक परिचय दीजिए। (10)

(ग) पाठ्य-क्रम में निर्धारित कबीर अथवा भूषण की कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए। (10)

(घ) केवट प्रसंग अथवा बालिका का परिचय कविता का सार लिखिए। (10)

(ङ)(क) निम्नलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए (5)

(i) हिन्दी का विकास;

(ii) खड़ी बोली हिन्दी।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए: (5+5=10)

(i) आदिकाल का नामकरण;

(ii) कृष्णभक्ति काव्य:

(iii) रीतिबद्ध काव्य;

(iv) प्रगतिवाद।